Literacy for a Billion

Movie: Players
Year: 2012

Song: koun duriyan hai darmiyan
Lyricist: Ashish Pandit

क्यों दूरियाँ हैं दरमियाँ
बढ़ जाने दे नज़दीकियाँ
हर साँस में महसूस कर
इन साँसों की मदहोशियाँ
तेरा नशा ऐसे चढ़े
तेरा नशा ज़िद पे अड़े
तेरा नशा ऐसे नचाए
झूम झूम झूम झूमता
तेरा नशा मुझको हुआ
तेरा नशा है ख्वाब सा
तेरा नशा ऐसे नचाए
झूम झूम झूम झूमता हूँ मैं

ख्वाबों ख़यालों में उलझे सवालो में
तू ही तू बसी
तू आरज़ू है
तू जुस्तजू जुस्तजू
तेरे इशारे पे चलती है रूकती है
साँसें ये मेरी
रहना तू ऐसे ही रूबरू
अब तो मेरी आदत है तू
आदत क्या ज़रूरत है तू
तुझको दिलसे अपने लगाकर
झूम झूम झूम झूमता हूँ मैं

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.